

**प्रेस विज्ञप्ति**

**विभिन्न मीडिया में हवाई जहाजों के हवा मिड एयर स्केयर संबंध में तथ्य**

**नई दिल्ली, जून 25, 2014** – विभिन्न प्रिंट मीडिया में “विमान के सैकंड में 5000 मी. नीचे आने से हवा मिड एयर स्केयर” के शर्षिक पर अपने समाचार का संदर्भ लें।

इस संबंध में तथ्य निम्नवत् है:

पटना से दिल्ली की एयर इंडिया की उड़ान सं 410, का भारतीय समयानुसार 0937 पर प्रस्थान हुआ। जो वाराणसी की राडार तथा दिल्ली विमान यातायात नियंत्रण की निगरानी पर था। न तो विमान के कमांड पायलट ने ऐसी किसी घटना के बारे में रिपोर्ट किया न ही विमान के राडार डाटा ने विमान के ऊंचाई में किसी प्रकार के नीचे आने के बारे में दर्शाया जैसा कि आपके समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया है।

एयर इंडिया – विमान सं. एआई 410, उड़ान स्तर 320 अर्थात 32000 फीट तक उड़ने तथा इस बनाए रखने के लिए अधिकृत है। 0956 आई एस टी पर, तुर्की एयरलाइंस विमान टीएचवाई 70 के रिसी प्रोकल ट्रैफिक के समय जो एच एच 330 अर्थात 33000 फीट तक उड़ रहा था, एयर इंडिया की उक्त विमान एफ एल 340 अर्थात 34000 फीट तक उड़ने के लिए अधिकृत था। एक अन्य विमान स्विस् एयर फ्लाइट एस डब्ल्यू आर 138, का रिसी प्रोकल ट्रैफिक को जो एल एसी 410 को 0959 आई एस टी क्रॉस किया। एयर इंडिया फ्लाईट 410 के दोनो रिसी प्रोकल ट्रैफिक के ऊंचाई की वर्टिकल दूरी 1000 फीट थी जो कि इंकाओ द्वारा निर्धारित मानक विभिन्न दूरी है। इस प्रकार, उसी उड़ान पथ पर एयर इंडिया उड़ान 410 तथा अन्य दो रिसी प्रोकल ट्रैफिक पर लागू मानक एटीसी दूरी में कोई ऊलंघन नहीं हुआ।

किसी भी परिस्थिति में, ऊपर जाने अथवा अल्टीच्यूड ( Altitude) के रहने में एयर इंडिया 410 ने सैकंड में 5000 भी नीचे नहीं आया, जैसा आपके समाचार में रिपोर्ट में है।

इस प्रकार की असत्य रिपोर्टिंग सेन्सेलाईजिंग मामला है। अन्यथा उक्त तथ्य विमानयातायात नियंत्रण की मानक प्रचालन प्रक्रिया एवं एयरक्राफ्ट प्रचालन है। भारत एक बढ़ता हुआ विमान उद्योग है तथा विमान यातायात एक सुरक्षित माध्यम है, ऐसी गलत खबर से विमान उद्योग पर विपरित प्रभाव पड़ता है तथा विमान यातायात करने वाले यात्रियों में भ्रम पैदा होता है।

तदनुसार मीडिया से अनुरोध है कि कृपया इस बारे में वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करते हुए यह बताए कि एयर इंडिया 410 जो पटना से दिल्ली जा रही थी के दौरान किसी भी प्रकार का संरक्षा इन्फ्रीजिमेन्ट अथावा फ्लाईट हेजार्डस नहीं हुआ जिससे विमान में यात्रियों का आत्म विश्वास बना रहे।